राष्ट्रीय साप्ताहिक समाचारपत्र

संकल्प शक्ति

संकल्प शक्ति के बल पर आओ हम सब मिलकर भय-भूख-भ्रष्टाचार से मुक्त भारत का निर्माण करें।

पृष्ठ-8, मूल्य ₹5 डाक पंजीकरण संख्या- MP/SDLDn/0025/2026-2028

www.sankalpshakti.in गुरुवार 02 जुलाई से 08 जुलाई 2026 वर्ष- 17, अंक : 23

सावधान! फोन के जरिए खाली हो सकता है आपका बैंक एकाउण्ट

डिजिटल बैंकिंग में जितनी सुविधाएँ बढ़ी हैं, उतनी ही तेजी से फैल रहा है ठगों का जाल

नई दिल्ली। देश की राजधानी नई दिल्ली सहित पूरे भारत में ऑनलाइन बैंकिंग धोखाधड़ी के मामले हर दिन बढ़ते क्रम में हैं। पुलिस और साइबर एक्सपर्ट्स ने चेतावनी दी है कि आपकी एक छोटी सी लापरवाही आपके जीवन भर की कमाई को पल भर में लूटा जा सकता है।

डिजिटल ठगी से बचने के लिए नीचे दिए गए मुख्य तरीकों और उनके काम करने के ढंग को ध्यान से समझना ज़रूरी है

ठगों से निपटने के लिए केंद्र सरकार ने देश में तकनीकी रूप से सक्षम 459 विशेष साइबर पुलिस स्टेशन तैयार कर दिए हैं, जिनमें सबसे ज़्यादा 75 स्टेशन अकेले उत्तरप्रदेश में सक्रिय हैं। सरकार ने बैंकों के साथ मिलकर 24 लाख से ज़्यादा 'म्यूल अकाउंट्स' (ठगी का पैसा ट्रांसफर करने वाले फर्जी खाते) को ब्लॉक किया है। यदि कोई फ्रॉड हो, तो सरकार के आधिकारिक राष्ट्रीय साइबर अपराध पोर्टल पर तुरंत शिकायत दर्ज़ करें।

पाँच बड़े फ्राड

- ठग गूगल सर्च पर बैंकों के नकली हेल्पलाइन नंबर डाल देते हैं और लोग मदद के लिए इन नंबरों पर फोन करते हैं। बैंक कर्मचारी बनकर बातों में फंसाते हैं और पासवर्ड पूछ लेते हैं।
- धोखेबाज आपको फोन पर कोई समस्या ठीक करने का लालच देते हैं और वे आपसे कोई ऐप्स डाउनलोड करवाते हैं तथा इन ऐप्स की मदद से वे आपके फोन की स्क्रीन अपने कंप्यूटर पर देखने लगते हैं। इसके बाद वे आपके बैंक का पासवर्ड और ओटीपी चुरा लेते हैं।
- आपके फोन पर मैसेज आता है कि आपका बिजली कनेक्शन आज रात काट दिया जाएगा या फिर आपको करोड़ों की लॉटरी जीतने का लालच दिया जाता है। दिए गए नंबर पर बात करने पर वे आपसे एक छोटा सा भुगतान करने को कहते हैं। जैसे ही आप लिंक पर क्लिक करते हैं, आपका खाता साफ हो जाता है।
- ठग आपके नाम का नकली सिम कार्ड मोबाइल कंपनी से निकलवा लेते हैं और ऐसा होते ही आपका असली सिम कार्ड बंद होजाता है और आपके बैंक अकाउंट के सारे ओटीपी ठग के पास जाने लगते हैं। इस तरह वे बिना आपके फोन को छुए आपका पूरा बैंक बैलेंस निकाल लेते हैं।
- व्हाट्सएप या टेक्स्ट मैसेज पर आकर्षक ऑफर या टैक्स रिफंड के लिंक आते हैं। ये लिंक दिखने में बिल्कुल आपकी असली बैंक वेबसाइट जैसे लगते हैं और जैसे ही आप वहाँ अपना यूजरनेम और पासवर्ड डालते हैं, वह ठगों के पास पहुँच जाता है।

स्वयं को सुरक्षित रखने के अचूक उपाय

- ओटीपी और पिन किसी को भी न बताएं, चाहे सामने वाला खुद को बैंक का मैनेजर ही क्यों न कहे।
- अंजाने लिंक्स पर क्लिक करने से बचें।
- गूगल सर्च से नंबर निकालने की जगह हमेशा बैंक की आधिकारिक पासबुक या कार्ड के पीछे लिखे नंबर पर ही भरोसा करें।
- यदि आपके साथ कोई धोखाधड़ी होती है, तो बिना देर किए राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें।

साइबर पुलिस की ताजा रिपोर्ट

साइबर पुलिस की ताजा सालाना रिपोर्ट के मुताबिक, बीते एक साल में भारतीयों ने डिजिटल फ्रॉड के कारण 22,495 करोड़ रुपये गंवाए हैं और देश में साइबर अपराध के मामलों में 24 प्रतिशत की सालाना बढ़ोतरी दर्ज़ की गई है, जिससे कुल मामले बढ़कर 28.15 लाख तक पहुँच गए हैं। रिपोर्ट कहती है कि सबसे ज़्यादा ठगी शेयर मार्केट में नकली निवेश, फर्जी ट्रेडिंग ऐप्स और भारी मुनाफे का लालच देकर की जा रही है।

विदेशों से चल रहे हैं ठगी के अड्डे

साइबर विशेषज्ञों के अनुसार, भारत में होने वाली आधी से ज़्यादा ठगी कंबोडिया, म्यांमार और लाओस जैसे देशों में बैठे गिरोहों द्वारा की जा रही है।

पुलिस की मुस्तैदी

राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल और 1930 हेल्पलाइन की मदद से रीयल-टाइम एक्शन लेते हुए पुलिस ने अब तक 08,031 करोड़ रुपए से ज़्यादा की रकम ठगों के खातों में ब्लॉक करने में सफलता पाई है।

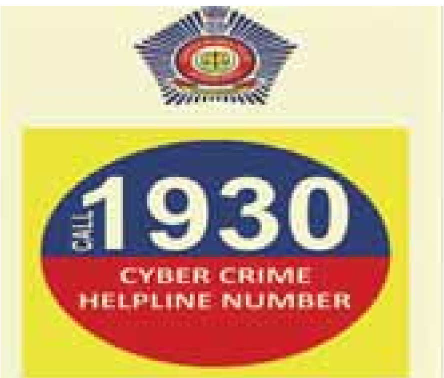

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, जिन्होंने देश की एकता, अखंडता के लिए होम कर दिया अपना जीवन

06 जुलाई का दिन भारत के इतिहास में एक ऐसे महापुरुष के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने का दिन है, जिसने अपना संपूर्ण जीवन भारत देश की एकता, अखंडता और सांस्कृतिक गौरव को बहाल करने में होम कर दिया। बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी एक प्रखर शिक्षाविद, महान विचारक, कुशल राजनीतिज्ञ और अद्वितीय राष्ट्रभक्त थे। आज जब देशवासी भौतिकता की दौड़ में मानवीय कर्त्तव्य से विमुख होते जा रहे हैं, तब उनके विचार और देश के प्रति उनका महान योगदान और भी अधिक प्रासंगिक होजाता है।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जन्म 06 जुलाई 1901 को कोलकाता के एक अत्यंत प्रतिष्ठित और विद्वान परिवार में हुआ था। उनके पिता सर आशुतोष मुखर्जी कोलकाता उच्च न्यायालय के न्यायाधीश और कलकत्ता विश्वविद्यालय के कुलपति थे, जिन्हें 'बंगाल का बाघ' कहा जाता था। विरासत में मिली प्रखर बुद्धिमत्ता के बल पर श्यामा प्रसाद जी ने मात्र 22 वर्ष की आयु में अपनी क़ानून की डिग्री पूरी की और 1926 में इंग्लैंड से बैरिस्टर बनकर स्वदेश लौटे। उनकी शैक्षणिक योग्यता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि मात्र 33 वर्ष की अल्पायु (1934) में वे कलकत्ता विश्वविद्यालय के सबसे युवा कुलपति बने। शिक्षा के क्षेत्र में उनके द्वारा किए गए सुधारों ने भारतीय शिक्षा प्रणाली को एक नई दिशा दी।

श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने 1930 के दशक में राजनीति में प्रवेश किया और वे बंगाल विधानसभा के सदस्य चुने गए। वर्ष 1943 से 1946 तक उन्होंने अखिल भारतीय हिंदू महासभा के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। देश के विभाजन के समय पश्चिम बंगाल को भारत का हिस्सा बनाए रखने में उनकी कूटनीतिक सूझबूझ की केंद्रीय भूमिका थी और यदि वे न होते तो आज का पूरा बंगाल पाकिस्तान का हिस्सा होता। स्वतंत्रता के बाद डॉ. मुखर्जी की योग्यता को देखते हुए उन्हें देश का पहला उद्योग और आपूर्ति मंत्री बनाया गया। एक मंत्री के रूप में उन्होंने भारत के औद्योगिक विकास की मज़बूत नींव रखी। हालांकि, जब 1950 में नेहरू-लियाकत समझौता हुआ, तो पूर्वी पाकिस्तान में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों के विरोध में उन्होंने अपने सिद्धांतों से समझौता न करते हुए कैबिनेट से इस्तीफा दे दिया।

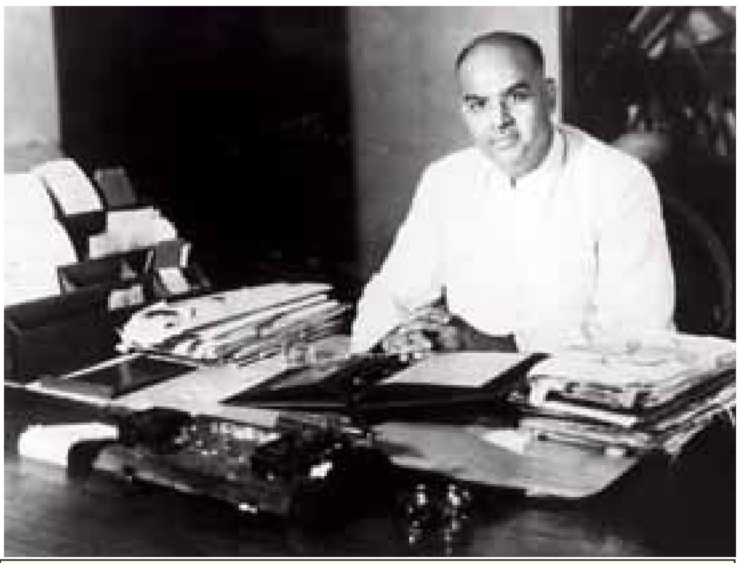

भारतीय जनसंघ की स्थापना: मंत्रिमंडल से अलग होने के बाद, डॉ. मुखर्जी ने देश को एक मजबूत और वैचारिक राष्ट्रवादी विकल्प देने का संकल्प लिया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सहयोग से उन्होंने 21 अक्टूबर 1951 को 'भारतीय जनसंघ' की स्थापना की।

कश्मीर के लिए ऐतिहासिक संघर्ष

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का देश के प्रति सबसे अविस्मरणीय योगदान जम्मू-कश्मीर के पूर्ण विलीनीकरण के लिए किया गया उनका संघर्ष है। उस समय कश्मीर में जाने के लिए परमिट की आवश्यकता होती थी और वहां का अपना अलग संविधान और झंडा था। डॉ. मुखर्जी ने इस व्यवस्था का प्रखर विरोध किया और संसद के भीतर व बाहर नारा दिया 'नहीं चलेगा एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान।' अपने इसी संकल्प को पूरा करने के लिए मई 1953 में वे बिना परमिट के जम्मू-कश्मीर की सीमा में प्रवेश कर गए, जहां उन्हें गिरफ़्तार कर लिया गया। 23 जून 1953 को श्रीनगर में नजरबंदी के दौरान रहस्यमय परिस्थितियों में उनका निधन हो गया।

व्यर्थ नहीं गया उनका यह सर्वोच्च बलिदान

उनके निधन के बाद देशव्यापी आक्रोश के चलते वहां से परमिट सिस्टम को तुरंत समाप्त करना पड़ा।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का 52 वर्षों का संक्षिप्त जीवनकाल राष्ट्रभक्ति की एक ऐसी मशाल है, जो हमें और आने वाली पीढ़ियों को राष्ट्रभक्ति के लिए सदैव प्रेरित करती रहेगी। वर्तमान में जब कश्मीर से अनुच्छेद 370 को पूरी तरह निष्प्रभावी कर दिया गया है, तो यह डॉ. मुखर्जी के उसी 'अखंड भारत' के सपने को सच्ची श्रद्धांजलि है, जिसके लिए उन्होंने अपने प्राणों की आहुति दे दी थी। उनकी जयंती पर कृतज्ञ राष्ट्र उन्हें शत-शत नमन करता है।

अरावली की गोद में बसा माउंट आबू है राजस्थान का स्वर्ग

माउंट आबू का नाम आते ही आँखों के सामने थार मरुस्थल, तपती रेत और चिलचिलाती धूप की तस्वीर उभरती है, लेकिन इसी मरुभूमि के एक छोर पर कुदरत ने अपनी एक ऐसी हरी-भरी दुनिया भी बसाई है, जिसे देखकर मनमयूर नृत्य कर उठता है और यह प्राकृतिक दुनिया है 'माउंट आबू' – राजस्थान का इकलौता हिल स्टेशन।

अरावली पर्वतमाला की गोद में लगभग 1,220 मीटर की ऊंचाई पर स्थित माउंट आबू को केवल राजस्थान का ही नहीं, बल्कि पश्चिमी भारत का एक प्रमुख पर्यटन क्षेत्र माना जाता है। यहाँ की ठंडी हवाएं, चारों ओर फैली हरियाली और शांत वादियां सैलानियों को एक जादुई दुनिया का अहसास कराती हैं।

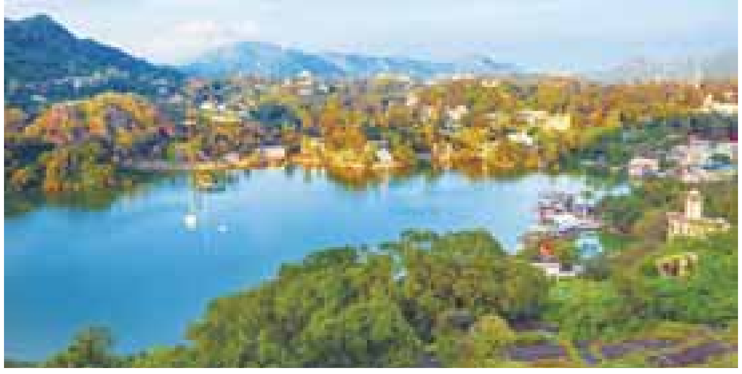

नक्की झील का आकर्षण

खूबसूरत झील के बारे में एक बेहद दिलचस्प पौराणिक मान्यता है। कहा जाता है कि देवताओं ने अपने नाखूनों (नख) से खोदकर इस झील का निर्माण किया था, इसलिए इसका नाम नक्की झील पड़ा। चारों तरफ ऊंचे पहाड़ों और अजीबोगरीब चट्टानों से घिरी इस झील में बोटिंग करना पर्यटकों का सबसे पसंदीदा शगल है। झील के पास ही 'टोड रॉक' नाम की एक विशाल चट्टान है, जिसकी बनावट हूबहू एक मेंढक जैसी दिखती है। इसके अलावा 'नन रॉक' भी पर्यटकों के आकर्षण का मुख्य केंद्र है, जो देखने पर घूंघट काढ़े किसी नन जैसी लगती है।

वास्तुकला का बेजोड़ नमूना

माउंट आबू सिर्फ़ अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए ही नहीं, बल्कि अपनी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत के लिए भी दुनिया भर में मशहूर है। यहाँ स्थित 'दिलवाड़ा जैन मंदिर' भारतीय वास्तुकला और मूर्तिकला का सर्वोत्कृष्ट उदाहरण है। 11वीं से 13वीं शताब्दी के बीच सफेद संगमरमर से बने इन मंदिरों की दीवारों, खंभों और छतों पर की गई नक्काशी इतनी महीन और जादुई है कि देखने वाले दांतों तले उंगली दबा लेते हैं। पत्थरों पर उकेरी गई इस कला को देखकर ऐसा लगता है जैसे संगमरमर पर कविता लिख दी गई हो। इतिहास और कला प्रेमियों के लिए यह स्थान किसी तीर्थ से कम नहीं है।

दत्तात्रेय मंदिर और वाइल्डलाइफ सेंचुरी

यहाँ चोटी पर स्थित दत्तात्रेय मंदिर के दर्शन के लिए भी भारी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। वन्यजीव और स्थानीय संस्कृति का संगम माउंट आबू का एक और बड़ा आकर्षण यहाँ का 'माउंट आबू वाइल्डलाइफ सेंचुरी' है। यह अभयारण्य तेंदुए, भालू, जंगली सूअर और विभिन्न प्रकार के दुर्लभ पक्षियों का घर है। प्रकृति की इस अनमोल धरोहर को संजोए रखने के कारण यहाँ का वातावरण हमेशा प्रदूषण मुक्त और शांत बना रहता है।

राजस्थानी हस्तशिल्प

यहाँ के स्थानीय बाज़ारों में मिलने वाली राजस्थानी हस्तशिल्प, कोटा डोरिया साड़ियाँ, संगमरमर की कलाकृतियाँ और पारंपरिक आभूषण पर्यटकों को खरीददारी का एक शानदार अवसर देते हैं।

आरोग्यता, शुचिता और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देता है शीतलाष्टमी का पावन पर्व

देशभर में दिनांक 08 जुलाई को शीतलाष्टमी का पावन पर्व पूरी श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाएगा। सनातन संस्कृति में यह पर्व केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं है, बल्कि यह हमारे स्वास्थ्य, वैज्ञानिक जीवन शैली और पर्यावरण के प्रति गहरे जुड़ाव को भी दर्शाता है। ग्रीष्म और वर्षा ऋतु के संधिकाल में आने वाला यह पर्व हमें मुख्य रूप से स्वच्छता और शुद्धता का संदेश देता है।

बासोड़ा परंपरा और वैज्ञानिक महत्त्व

शीतलाष्टमी को लोक भाषा में 'बासोड़ा' भी कहा जाता है। इस दिन की मुख्य विशेषता यह है कि माता शीतला को एक दिन पहले (सप्तमी की रात) बने बासी भोजन का भोग लगाया जाता है। इसके बाद पूरा परिवार प्रसाद के रूप में ठंडा भोजन ही ग्रहण करता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस दिन के बाद से पूरे चातुर्मास और वर्षा ऋतु में बासी भोजन का सेवन पूरी तरह वर्जित होजाता है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखें तो इस मौसम में बैक्टीरिया तेजी से पनपते हैं, इसलिए यह पर्व हमें खान-पान के प्रति सतर्क रहने की चेतावनी देता है।

आरोग्यता की देवी

माता शीतला को चेचक, खसरा और त्वचा संबंधी रोगों से रक्षा करने वाली देवी माना गया है। मां शीतला के स्वरूप में गहरा संदेश छिपा है। उनके एक हाथ में झाड़ू सफाई का प्रतीक है, तो दूसरे हाथ में रखा नीम का सूप (कलश) औषधीय शुद्धता को दर्शाता है। उनका वाहन गदहा (गर्दभ) हमें विपरीत परिस्थितियों में भी धैर्य और कठिन परिश्रम करने की सीख देता है।

पर्व की प्रासंगिकता

आज के आधुनिक युग में जब प्रदूषण और संक्रामक बीमारियां बढ़ रही हैं, तब शीतलाष्टमी जैसे पर्वों की प्रासंगिकता और अधिक बढ़ जाती है। यह त्यौहार हमें अपने घर-आंगन को साफ रखने, जल स्रोतों को शुद्ध रखने और सात्विक जीवन जीने की प्रेरणा देता है। आइए, इस शीतलाष्टमी पर हम सब न केवल मां की पूजा करें, बल्कि अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने का संकल्प भी लें।

मध्यप्रदेश में नशे के कारोबारियों पर होगी 'बुलडोजर' कार्रवाई

भोपाल। मध्यप्रदेश में अवैध नशे के विरुद्ध राज्य सरकार ने अब तक का सबसे बड़ा अभियान शुरू कर दिया है। मुख्यमंत्री ने कड़े लहजे में कहा है कि युवाओं की जिंदगी बर्बाद करने वाले नशामाफ़ियाओं को प्रदेश में सिर उठाने का मौका नहीं दिया जाएगा। उन्होंने साफ किया कि नशे के अवैध अड्डों को न केवल बंद कराया जाएगा, बल्कि दोषियों की संपत्ति पर बुलडोजर भी चलाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा है कि नशा तस्करों के नेटवर्क को तोड़ने के लिए पुलिस बिना किसी राजनीतिक दबाव के काम करे।

बॉर्डर पर चेकिंग: दूसरे राज्यों से आने वाले नशीले पदार्थों को रोकने के लिए सीमावर्ती ज़िलों में विशेष चौकियां बनाई जाएंगी।

कड़े क़ानून: हुक्का बार, अवैध शराब की दुकानों और सिंथेटिक ड्रग्स बेचने वालों पर राष्ट्रीय सुरक्षा क़ानून के तहत कार्रवाई होगी।

नो ड्रग्स जोन: युवाओं को नशे से बचाने के लिए सरकार ने शैक्षणिक संस्थानों के आसपास सुरक्षा घेरा मज़बूत करने का फैसला लिया है। स्कूल, कॉलेज और कोचिंग संस्थानों के 100 मीटर के दायरे में सिगरेट, तंबाकू या किसी भी प्रकार के नशे की बिक्री पर पूरी तरह रोक रहेगी।

जागरूकता दल: हर कॉलेज में नशामुक्ति दल बनाया जाएगा, जो छात्रों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करेगा।

नर्मदा नदी में डूबने से तीन की मौत

जबलपुर। जबलपुर के भेड़ाघाट थाना क्षेत्र में रविवार, दिनांक 28 जून को एक हृदयविदारक हादसा सामने आया। छुट्टी मनाने और नर्मदा नदी के दर्शन करने आए तीन युवकों की गहरे पानी में समा जाने से मौत हो गई। बताया जा रहा है कि युवक नदी के किनारे नहा रहे थे, तभी पैर फिसलने से एक युवक गहरे पानी और तेज बहाव की चपेट में आ गया और दो युवक अपने दोस्त को बचाने के चक्कर में डूब गए।

जानकारी के अनुसार, शहर से दोस्तों का एक ग्रुप वीकेंड पर भेड़ाघाट घूमने आया था। नहाते समय एक युवक का पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में डूबने लगा। अपने दोस्त को डूबता देख बाकी के दो दोस्त उसे बचाने के लिए आगे बढ़े, लेकिन पानी गहरा होने और तेज बहाव के कारण तीनों ही नदी में समा गए।

घाट पर मौजूद अन्य लोगों ने जब शोर मचाया, तो स्थानीय नाविक और पुलिस तुरंत मौके पर पहुँचे। स्थानीय प्रशासन ने तुरंत होमगार्ड और एसडीआरएफ की रेस्क्यू टीम को मौके पर बुलाया। पानी का बहाव तेज होने के कारण रेस्क्यू टीम को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

लगभग दो से तीन घंटे की खोजबीन के बाद तीनों युवकों को पानी से बाहर निकाला गया और तुरंत नज़दीकी अस्पताल ले जाया गया, जहाँ डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

रेत माफिया पर बड़ी कार्रवाई, ट्रैक्टर-ट्रॉली ज़ब्त

ब्यौहारी, शहडोल। सोन नदी के तटीय इलाकों और वनों से घिरे ब्यौहारी क्षेत्र में अवैध उत्खनन के विरुद्ध पुलिस और वन विभाग ने रविवार, दिनांक 28 जून को संयुक्त कार्रवाई की। मुखबिर से मिली पुख्ता सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने छापेमारी कर अवैध रूप से रेत का परिवहन कर रहे ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को घेराबंदी कर ज़ब्त कर लिया है। पुलिस को देखकर रेत माफिया के कुछ गुर्गे वाहन छोड़कर जंगलों की तरफ भागने में सफल रहे। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध वन अधिनियम और चोरी का मामला दर्ज़ कर कर लिया है और आरोपियों की तलाश की जा रही है।

उत्तरप्रदेश सरकार का ग्रीन महाप्लान ज़मीन पर उतरा

बुंदेलखंड बनेगा ऊर्जा का गढ़ : जालौन, झांसी, ललितपुर और चित्रकूट ज़िलों में बनाए जा रहे हैं विशाल सौर पार्क

लखनऊ। उत्तरप्रदेश को प्रदूषण मुक्त बनाने और बिजली के मामले में पूरी तरह आत्मनिर्भर करने के लिए राज्य सरकार ने 'उत्तरप्रदेश सौर ऊर्जा नीति' के तहत अरबों रुपये के निवेश को ज़मीन पर उतारना शुरू कर दिया है। सरकार का मुख्य ध्यान पर्यावरण को बचाते हुए उद्योगों और आम जनता को चौबीसों घंटे सस्ती बिजली देना है।

बुंदेलखंड बनेगा ऊर्जा का गढ़: जालौन, झांसी, ललितपुर और चित्रकूट ज़िलों में विशाल सौर पार्क बनाए जा रहे हैं। अकेले बुंदेलखंड से ही लगभग 4,000 मेगावाट स्वच्छ बिजली पैदा करने की तैयारी है। राज्य के 10 लाख से अधिक घरों की छतों पर सोलर पैनल लगाए जा रहे हैं। इससे आम जनता को हर महीने 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली मिल सकेगी।

अयोध्या और वाराणसी बनेंगी 'सोलर सिटी': धार्मिक शहरों को पूरी तरह सोलर एनर्जी से जगमगाने का काम जारी है। अयोध्या में सरयू नदी पर तैरता हुआ सोलर प्लांट और वाराणसी में हर घर सोलर लगाने का लक्ष्य है।

ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर: बुंदेलखंड में बनने वाली बिजली को पूरे राज्य में सप्लाई करने के लिए एक विशेष ट्रांसमिशन नेटवर्क (बिजली की लाइनें) बिछाया जा रहा है। इस पूरे प्रोजेक्ट पर केंद्र और राज्य सरकार मिलकर हज़ारों करोड़ रुपये खर्च कर रही हैं।

दो बाइक भिड़ीं, तीन गंभीर रूप से घायल

जबेरा, दमोह। सागर से जबेरा की ओर एक पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे बाइक सवारों को सामने से आ रही दूसरी तेज रफ्तार बाइक ने जोरदार टक्कर मार दी। इस भीषण हादसे में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद दो घायलों की नाजुक हालत को देखते हुए उन्हें तुरंत जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया है। पुलिस ने दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

ट्रक पलटने से चालक हुआ घायल

सीधी। सीधी ज़िले के मड़वास मार्ग पर सोमवार, दिनांक 29 जून की सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया, जिसमें एक तेज रफ्तार मालवाहक ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया। हादसे में ट्रक चालक के केबिन में फंसे होने के कारण वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। चीख-पुकार सुनकर दौड़े स्थानीय ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद चालक को बाहर निकाला और 108 एम्बुलेंस की मदद से नजदीकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया।

डॉक्टरों के मुताबिक, चालक के पैर और सिर में गंभीर चोटें आई हैं। पुलिस ने क्रेन की मदद से ट्रक को रास्ते से हटवाकर यातायात सुचारू कराया।

6 लाख की स्मैक और इंजेक्शन के साथ 3 गिरफ़्तार

शहडोल। युवाओं को नशे के दलदल में धकेलने वाले अंतर-ज़िला गिरोह पर प्रहार करते हुए शहडोल कोतवाली पुलिस ने 06 लाख रुपए मूल्य की स्मैक और नशीले इंजेक्शन ज़ब्त किए हैं। इस अवैध कारोबार में संलिप्त तीन सप्लायरों को भी गिरफ़्तार किया गया है। पकड़े गए आरोपी युवा हैं। वे अपने महंगे शौक पूरे करने के लिए शहर और आस-पास के शिक्षण संस्थानों के पास नशीले पदार्थ बेच रहे थे। पुलिस अब इनके मुख्य सप्लायर नेटवर्क की तलाश में छापेमारी कर रही है।

अवैध कब्जा हटाने पहुंची वनविभाग की टीम पर हमला

खंडवा। मध्यप्रदेश के खंडवा ज़िले में अवैध अतिक्रमण हटाने और वन भूमि पर बुआई रोकने पहुंची वन विभाग की विशेष गश्ती टीम (फ्लाइंग स्क्वॉड) पर अतिक्रमणकारियों ने लाठी, डंडों, गोफन और पत्थरों से जानलेवा खूनी हमला कर दिया। गुड़ी वन परिक्षेत्र के आमाखुजरी जंगल में हुई इस हिंसक झड़प में लगभग 10 वनकर्मी घायल हुए हैं, जिनमें से कई के सिर फट गए और कुछ मौके पर ही बेहोश हो गए। घायलों को तुरंत इलाज के लिए खंडवा के ज़िला अस्पताल में भर्ती कराया गया।

यह वारदात रविवार, दिनांक 28 जून को दोपहर करीब 12:30 से 1:30 बजे के बीच हुई। हमले में ज्वाला सिंह, रोमांक नायक, शैलेंद्र यादव, राजेंद्र सि-ंह सक्तावत, राजेंद्र बागड़ी, प्रदीप बघेल, चंद्रपाल तोमर और राहुल लोधी समेत कई वनरक्षक घायल हुए हैं। पुलिस ने 09 नामजद और कुछ अज्ञात पर केस दर्ज़ कर लिया है और आरोपियों की तलाश की जा रही है।

खाद्यतेल के गोदाम में लगी आग, लाखों रुपए का सामान जला

पटना। बिहार की राजधानी पटना के दीदारगंज थाना क्षेत्र के करमली चक (महुली रोड) में रविवार, दिनांक 28 जून को देर रात एक खाद्यतेल और रिफाइंड के बड़े वेयरहाउस (गोदाम) में भीषण आग लग गई, जिसमें 50 लाख रुपये से अधिक का सामान जलकर खाक हो गया। आग इतनी भयावह थी कि तेल के पीपों में विस्फोट होने लगा और लपटों ने पास ही स्थित एक बैटरी गोदाम को भी अपनी चपेट में ले लिया।

बताया गया कि अग्निशमन विभाग (फायर ब्रिगेड) की 21 से अधिक दमकल गाड़ियों ने लगभग 07 घंटे की भारी मशक्कत के बाद सुबह तक आग पर काबू पाया। गनीमत रही कि इस हादसे में कोई भी इंसान हताहत नहीं हुआ।

चिंतन

इन्सान के जीवन में हर चीज के दो पहलू होते हैं लाभ-हानि, जीवन-मरण, यश-अपयश आदि । यही जीवन का सार है। इनमें एक के बिना दूसरे का कोई अस्तित्व नहीं रहता। हमें हर पल सत्य के पलड़े पर रहना चाहिये। संसार सागर को बहुत सचेत होकर पार करना चाहिये और अपने मन-बुद्धि-क्रियाशक्ति का भरपूर उपयोग करना चाहिये। साधक के भीतर शान्ति और शक्ति दोनों ही समाहित होनी चाहिये। इन दोनों का सन्तुलन होना चाहिये।

ऋषिवाणी

धर्मसम्राट् युग चेतना पुरुष सद्गुरुदेव परमहंस योगीराज **श्री शक्तिपुत्र जी महाराज**

योग-ध्यान-साधना

शक्ति चेतना जनजागरण शिविर, सिद्धाश्रम (म.प्र.)
दिनांक- 20-10-2015

क्रमशः...

आज मैं यम-नियम के बारे में बता रहा हूँ तथा कुण्डलिनी चेतना के बारे में बताऊंगा, ध्यान-प्राणायाम के बारे में संक्षिप्त चिन्तन दूंगा कि इन तीन दिनों में ऐसी क्रियायें सीख सको, जिससे आपका मन, अन्तःकरण निर्मल बन सके, आपके विचारों की दिशा सत्यगामी हो सके एवं जिस दिशा में आप बढ़ रहे हो, तो आपका जीवन और आत्मकल्याणकारी व परोपकारी बने। अतः शौच एवं संतोष के साथ तपस्वी बनो।

तप- यदि आपका जीवन शुद्ध है, साफ है, निर्मल है, आप संतोषी जीवन जी रहे हो, तो किसलिए? हमारी जो दूरियां हैं, उनको मिटाने के लिए तप ही एकमात्र मार्ग है। अतः तपस्वी बनो, तप करो, कर्मवान बनो, अकर्मण्य मत बनो। तप में सभी भाग आ जाते हैं एवं तप में केवल पूजा-पाठ का भाग ही नहीं आता है। यदि आप शिक्षक हो, तो विद्यार्थियों को अच्छे से पढ़ाओ। बिजनेस करते हो, तो अच्छी तरह से वहाँ मेहनत करो। नौकरी करते हो, तो सच्चाई-ईमानदारी से नौकरी करो। तप का मूल भाव है कि तपस्यात्मक जीवन जियो।

आपके पास जो कुछ भी आ रहा है, परमसत्ता की कृपा से आ रहा है, तो परमसत्ता की भक्ति करो, उनके मंत्र जप करो, स्तुति करो, वन्दना करो, व्रत रखो, उपवास करो। चूंकि तपस्यात्मक जीवन जियोगे, तो आपकी पात्रता विकसित होगी तथा आपकी कुण्डलिनीचेतना की जो सुषुम्ना नाड़ी है, उस सुषुम्ना नाड़ी का मुख धीरे-धीरे फैलेगा और खुलने लगेगा। उसे खोलने में यदि आप सफल होगए, तो कुण्डलिनीचेतना उर्ध्वगामी होती चली जायेगी, आपकी पात्रता बढ़ती चली जायेगी, आपको दीर्घायु प्राप्त होगी और बड़ी-बड़ी घटनाएं सामान्य बनकर टल जायेंगी। यह सहज पात्रता नहीं है। हो सकता है कि आपके जीवन में कोई दुर्घटना हो, मगर यदि आप पूर्णत्व का जीवन जीते हो, कुण्डलिनीचेतना का जीवन जीते हो, आपकी सुषुम्ना नाड़ी खुली हुई है, तो वह बड़ी-बड़ी दुर्घटनाओं से आपकी रक्षा करने लगती है। जिसके लिए आप 'माँ' से प्रार्थना करते हो, गुरु से प्रार्थना करते हो तथा मैंने कहा है कि 'माँ' एवं गुरु से प्रार्थना करो, तो भक्ति, ज्ञान और आत्मशक्ति के लिए करो। प्रार्थना करो कि हमें उतनी पात्रता प्राप्त होजाये। हमें प्रार्थना ही करना है, तो भिखारी बनकर क्यों करें? प्रार्थना करो कि हमारे अन्दर स्वयं ही सामर्थ्य बढ़े और उसके लिए 'माँ' एवं गुरु का आशीर्वाद प्राप्त हो।

आपकी सुषुम्ना नाड़ी जितनी चैतन्य होगी, जितना उसका मुंह खुलता जायेगा, जितना एक नाड़ी दूसरी नाड़ी से अलग होगी, उतना ही नानाप्रकार की समस्याओं और कष्टों से आपको मुक्ति मिलती चली जायेगी, आपको बीमारियों से लाभ मिलने लगेगा और जन्म-दर-जन्म आपका स्तर ऊपर उठता चला जायेगा।

शेष अगले अंक में...

संकलन
पूजा शुक्ला

सत्य की विचारधारा पर अपने जीवन को गति दो

प्रकाश स्तंभ की तरह हैं सद्गुरुदेव श्री शक्तिपुत्र जी महाराज के चिन्तन व दर्शन

संकल्प शक्ति। आज इस चकाचौंध की दुनिया में जहाँ मानसिक तनाव बढ़ा है वहीं वैचारिक कट्टरता, युद्ध, आतंकवाद, उग्रवाद और नैतिक पतन चरम पर है। ऐसे अशांत समय में जब मानव समाज आंतरिक और बाहरी संघर्षों से जूझ रहा है, तब ऋषिवर सद्गुरुदेव श्री शक्तिपुत्र जी महाराज के चिंतन व दर्शन एक प्रकाश स्तंभ की तरह हैं। आपश्री के चिंतन 21वीं सदी के कथित अधुनातन समाज की व्याधियों का प्रभावी उपचार साबित हो सकते है।

आज भारत दुनिया का सबसे बड़ा युवा देश है, लेकिन युवा पीढ़ी जहाँ सोशल मीडिया के दौर में अत्यधिक सूचनाओं के बोझ, एकाग्रता की कमी और अवसाद (डिप्रेशन) का शिकार हो रही है, वहीं वे शासन की दोधारी नीतियों के चलते नशे का शिकार हो रहे हैं। ऋषिवर का कहना है कि ''सुख-शांति-संतोष और प्रगति चाहिए, तो मेरी विचारधारा पर चलो, नशे-मांसाहार से मुक्त चरित्रवान् जीवन धारण कर लो और आलस्य को छोड़कर नित्यप्रति कम-से-कम एक घंटे का समय योग-ध्यान-साधना में दो। इससे आप समृद्धि के पथ पर तो बढ़ेंगे ही, सबसे बड़ी बात यह कि तनावमुक्त जीवन प्राप्त होगा। एक विचारधारा पर जीवन को गति दो और उस विचारधारा को अपना जीवन बना लो। उसी सत्य की विचारधारा के बारे में सोचो और उसी विचारधारा का जीवन जिओ।''

सद्गुरुदेव जी महाराज का चिंतन, आपश्री का यह दर्शन निश्चय ही आज के युवाओं को भटकाव से निकालकर उनमें एकाग्रता, आत्मविश्वास और आत्मशक्ति का संचार करेगा।

वर्तमान समय में जब अमीर और ग़रीब के बीच की खाई गहरी होती जा रही है, नशे व अपराध का ताण्डव हो रहा है, तब सद्गुरुदेव श्री शक्तिपुत्र जी महाराज की विचारधारा सरकारों को नशे का व्यापार बन्द करके जनकल्याणकारी नीतियां बनाने की मानवीय प्रेरणा देता है, लेकिन सत्ता पर बैठे राजनेता स्वार्थान्धता के चलते उस प्रेरणा को दबाने की हरसम्भव कोशिश कर रहे हैं। ऋषिवर का कहना है कि ''समाज का उत्थान नीचे से ऊपर की ओर होना चाहिए। इसीलिए मैं शीर्ष से उतरकर नीचे आया हूँ, जिससे समाज को नीचे से शीर्ष तक पहुंचा सकूं।'' सद्गुरुदेव जी महाराज 'नशामुक्त भारत, खुशहाल भारत' का नारा देकर भारत को विश्वगुरु के रूप में देखना चाहते हैं। एक ऐसा भारत जो अपनी आध्यात्मिक शक्ति से पूरे विश्व का कल्याण करे।

कार्यकारी सम्पादक
अलोपी शुक्ल

नशाविरोधी जनान्दोलन

कार्यकर्ताओं ने ज़ब्त करवाई अवैध शराब

संकल्प शक्ति। भगवती मानव कल्याण संगठन एवं भारतीय शक्ति चेतना पार्टी के कार्यकर्ता पुलिस को सूचना देकर नित्यप्रति अवैध शराब की खेपें ज़ब्त करवा रहे हैं।

दमोह ज़िले कुम्हारी थानान्तर्गत रसुईया पटना गांव के पास पकड़ी गई शराब

इसी क्रम में, दिनांक 28 जून को सायंकाल 05:00 बजे दमोह ज़िले के कुम्हारी थानान्तर्गत ग्राम-रसुईया पटना के पास तीन पेटी शराब पकड़ी गई। चार आरोपी चारपहिया वाहन से शराब लेजा रहे थे। मौके पर पुलिस के पहुंचने से पूर्व आरोपी फरार होगए।

कटनी ज़िले के रीठी थानान्तर्गत बड़गांव में पतने नदी पुल के पास पकड़ी गई शराब

दिनांक 29 जून को रात्रि लगभग 02:00 बजे कटनी ज़िले के रीठी थाना क्षेत्रान्तर्गत ग्राम-बड़गांव में पतने नदी पुल के आगे 24 पेटी देशी प्लेन और 13 पेटी देशी मसाला शराब पकड़ी गई। आरोपी संजू राय और संतराम राय, चारपहिया वाहन बोलेरो क्रमांक-यूपी 11, एक/9367 से शराब लेजा रहे थे।

कासगंज में सम्पन्न हुआ मासिक महाआरतीक्रम

कासगंज। भगवती मानव कल्याण संगठन एवं पंचज्योति शक्तितीर्थ सिद्धाश्रम ट्रस्ट के संयुक्त तत्त्वावधान में हर माह की तरह जून माह में भी चतुर्थ रविवार को माँ पाटलावती फार्म हाउस, गंज डुडवारा रोड, ज़िला-कासगंज, उत्तरप्रदेश में महाआरतीक्रम सम्पन्न किया गया।

साधनाक्रम व दिव्य आरती के पश्चात् संगठन के क्षेत्रीय पदाधिकारियों ने उपस्थित जनसमुदाय को सम्बोधित करते हुए कहा कि परम पूज्य गुरुवर योगीराज श्री शक्तिपुत्र जी महाराज की जनकल्याणकारी विचारधारा पर चलें और नशे-मांसाहार से मुक्त चरित्रवान् जीवन अपनाएं, तभी उन्नति का मार्ग प्रशस्त होगा।

उद्बोधनक्रम के उपरान्त सभी भक्तों ने विघ्नविनाशक शक्तिजल और प्रसाद ग्रहण कर जीवन को कृतार्थ किया।

नशे-मांसाहार से मुक्त चरित्रवान् जीवन अपनाएं और आध्यात्मिक पथ के राही बनें

नर्वल। सद्गुरुदेव परमहंस योगराज श्री शक्तिपुत्र जी महाराज के आशीर्वाद से बी.वी. एम एजुकेशन सेंटर, नर्वल, ज़िला-कानपुर नगर में चतुर्थ रविवार को मासिक महाआरतीक्रम सम्पन्न किया गया।

समापन बेला पर भगवती मानव कल्याण संगठन के जिला पदाधिकारियों ने कहा कि माता भगवती आदिशक्ति जगत् जननी जगदम्बा ही हमारी इष्ट हैं, हमारी आत्मा की जननी हैं और जो नशे-मांसाहार से मुक्त होकर चरित्रवान् जीवन जीते हुए नित्यप्रति 'माँ' की साधना-आराधना करते हैं, वे ही आध्यात्मिक पथ के राही बनते हैं।

उद्बोधनक्रम के बाद कार्यक्रम में उपस्थित सभी भक्तों ने शक्तिजल और प्रसाद प्राप्त किया।

बच्चों और बुजुर्गों में प्यास लगने का इंतजार क्यों है जानलेवा?

मई-जून की तपती गर्मी में जब लू चलती है, तो हमारे शरीर का पानी पसीने के रूप में तेजी से भाप बनकर उड़ता है। एक युवा व्यक्ति को तो प्यास का तुरंत अहसास हो जाता है, लेकिन बच्चों के खेलने की धुन और बुजुर्गों की सुस्त पड़ चुकी नसों के कारण उन्हें 'प्यास' का संकेत बहुत देर से मिलता है।

विज्ञान के अनुसार, बच्चों के शरीर में लगभग 70-75% पानी होता है, जबकि बुजुर्गों के शरीर में यह घटकर 50-55% रह जाता है। पानी का यह असंतुलन इन दोनों ही उम्र के लोगों को हीटस्ट्रोक (लू) का सबसे आसान शिकार बनाता है।

मेरी राय में

अपनों की देखभाल का सबसे बड़ा मंत्र सतर्कता है। पानी केवल प्यास बुझाने का साधन नहीं, बल्कि जीवन की डोर है। इस भीषण गर्मी में अपने घर के दोनों सिरों (बच्चों और बुजुर्गों) को प्रकृति के शुद्ध जल से सींचते रहें। आपकी यह देखभाल उनके लिए सबसे बड़ा 'संबल' है।

बुजुर्गों की सिकुड़ती नसें और बच्चों की ऊर्जा

जब बुजुर्गों के शरीर में पानी कम होता है, तो उनका खून गाढ़ा होने लगता है, जिससे चक्कर आना, घबराहट और यूरिन इन्फेक्शन तुरंत हो जाता है। वहीं, बच्चे जब धूप में खेलते हैं, तो उनकी ऊर्जा इतनी तेजी से खर्च होती है कि वे अचानक निढाल होकर बेहोश हो सकते हैं।

दादी माँ का अचूक प्राकृतिक नुस्खा

घड़ी देखकर पानी पिलाने का नियम: गर्मियों में बच्चों और बुजुर्गों को 'प्यास लगने पर पानी पीने' के भरोसे न छोड़ें। घर में यह नियम बनाएं कि हर डेढ़ से दो घंटे में उन्हें मटके का सादा पानी, नींबू पानी या नारियल पानी पीने के लिए दिया जाए। दिन में एक बार उन्हें 'ग्लूकोज' या डिब्बाबंद जूस के बजाय 'सेंधा नमक और मिश्री' का पानी जरूर पिलाएं। यह प्राकृतिक सलाइन उनके शरीर में पानी को 'लॉक' (Lock) कर देगा।

- **भ्रांति (Myth):** बच्चों को गर्मी से बचाने के लिए उन्हें दिन भर खूब सारा 'आइसक्रीम' और फ्रिज का ठंडा पानी देना चाहिए।
- **सच (Fact):** फ्रिज का पानी और आइसक्रीम बच्चों के गले के 'टॉन्सिल्स' को तुरंत फुला देते हैं और आंतों को 'थर्मल शॉक' देते हैं। इससे पाचन तंत्र ठप हो जाता है और पेट में भयंकर दर्द उठ सकता है। बुजुर्गों के लिए तो यह ठंडा पानी वात (हड्डियों के दर्द) को भयंकर रूप से बढ़ा देता है। दोनों को हमेशा मटके का प्राकृतिक रूप से ठंडा पानी ही देना चाहिए।

बच्चों की कोमल त्वचा को घमौरियों और एलर्जी से बचाने का सुरक्षा चक्र

गर्मियों की छुट्टियां बच्चों के लिए घर के बाहर खेलने का समय होती हैं। उनका शारीरिक विकास इसी उछल-कूद पर निर्भर करता है। लेकिन भीषण गर्मी और धूल के कारण बच्चों को बड़ों की तुलना में बहुत अधिक पसीना आता है। उनकी पसीने की ग्रंथियां अभी पूरी तरह विकसित नहीं होतीं, जिसके कारण वे जल्दी ब्लॉक हो जाती हैं और बच्चों की पीठ, गर्दन और छाती पर लाल दाने (घमौरियां) निकल आते हैं।

टेलकम पाउडर का धीमा जहर

बच्चों को घमौरियों और खुजली से बचाने के लिए माता-पिता तुरंत विज्ञापनों वाले 'प्रिकली हीट पाउडर' का इस्तेमाल करते हैं। प्राकृतिक चिकित्सा इसे त्वचा के लिए सबसे बड़ा जहर मानती है। पाउडर पसीने को सोखकर रोमछिद्रों को कीचड़ की तरह बंद कर देता है, जिससे पसीना अंदर ही अंदर सड़ने लगता है और त्वचा पर फंगल इन्फेक्शन हो जाता है।

मेरी राय में: सुविधाओं के नाम पर बच्चों को रसायनों के हवाले न करें। उनकी कोमल त्वचा को मिट्टी और वनस्पतियों का स्पर्श दें। प्रकृति का यह शीतल आलिंगन बच्चों को न केवल रोगों से बचाएगा, बल्कि उनकी 'जीवनी शक्ति' को भी एक स्वच्छ और मजबूत आधार देगा।

शरीर के तापमान को नियंत्रित करने वाले प्राकृतिक उपाय

शरीर के तापमान को नियंत्रित करने की प्रणाली को 'थर्मोरेगुलेशन' कहते हैं। जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, त्वचा के नीचे पसीना निकालने वाली ग्रंथियां सिकुड़ने लगती हैं। यही कारण है कि भीषण गर्मी में जब युवाओं को पसीना आता है और उनका शरीर ठंडा हो जाता है, वहीं बुजुर्गों को पसीना कम आता है और उनके शरीर के अंदर की गर्मी खतरनाक स्तर तक बढ़ जाती है।

इसे मेडिकल भाषा में 'हीट एग्ज़ॉर्शन' कहते हैं। इस स्थिति में बुजुर्गों को अचानक चक्कर आना, सांस फूलना और ब्लड प्रेशर गिरने की शिकायत हो सकती है।

बाहर निकलने का सही समय

बुजुर्गों को सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक किसी भी हालत में घर से बाहर नहीं निकलना चाहिए। उनके कमरे में हवा का क्रॉस-वेंटिलेशन होना बहुत जरूरी है।

मेरी राय में: बुजुर्गों का शरीर एक पुराने और अनमोल वृक्ष के समान है, जिसे आंधी और लू से बचाने की जरूरत है। आधुनिक उपकरणों के बजाय प्रकृति की छांव और इन सरल उपायों का उपयोग करें। आपके हाथों की सेवा और प्रकृति की शीतलता उन्हें इस भीषण गर्मी में एक रक्षा कवच प्रदान करेगी।

कार्यकारी संपादक, बृजपाल सिंह चौहान (एन. डी.) नेचुरोपैथी, www.bschauhan09.blogspot.com, www.facebook.com/bschauhan09

साइबर ठगी और डीपफेक से निपटने के लिए बनेगा 'राष्ट्रीय डिजिटल सुरक्षा बोर्ड'

नई दिल्ली। देश में तेजी से बढ़ते डिजिटल अपराधों, बैंकिंग धोखाधड़ी और एआई जनित डीपफेक के ख़तरों पर लगाम लगाने के लिए केंद्र सरकार ने एक बड़ा क़दम उठाने का निर्णय लिया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के संयुक्त तत्त्वावधान में जल्द ही एक उच्चस्तरीय 'राष्ट्रीय डिजिटल सुरक्षा बोर्ड' का गठन किया जाएगा।

नई दिल्ली में विगत दिवस आयोजित मुख्यमंत्रियों और राज्यों के पुलिस महानिदेशको के राष्ट्रीय सम्मेलन में केंद्रीय गृहमंत्री ने इस नई व्यवस्था की रूपरेखा देश के सामने रखी। यह बोर्ड सीधे प्रधानमंत्री कार्यालय की निगरानी में काम करेगा और इसका मुख्य उद्देश्य देश के नागरिकों को ऑनलाइन सुरक्षा प्रदान करना तथा अंतरराज्यीय साइबर अपराधियों के नेटवर्क को ध्वस्त करना होगा।

गौरतलब है कि हाल के महीनों में राष्ट्रीय राजधानी सहित पूरे देश में 'डिजिटल अरेस्ट', एआई वॉयस क्लोनिंग (आवाज की नकल कर पैसे ऐंठना) और फर्जी निवेश ऐप्स के जरिए हजारों करोड़ रुपये की ठगी के मामले सामने आए हैं। नया बोर्ड एक केंद्रीय नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करेगा, जहाँ सभी राज्यों की साइबर सेल, केंद्रीय जांच एजेंसियां और वित्तीय संस्थान एक ही प्लेटफॉर्म पर रीयल-टाइम डेटा साझा करेंगे।

ठगी का शिकार होने पर नागरिक तत्काल इस बोर्ड की हॉटलाइन पर शिकायत दर्ज करा सकेंगे, जिससे ठगी की रकम को बैंक खातों में ही तुरंत फ्रीज किया जा सके।

एआई डिटेक्शन विंग

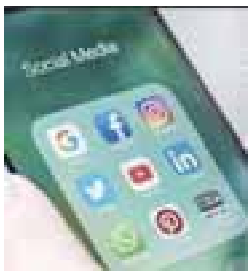

सोशल मीडिया पर वायरल होने वाले फर्जी और भ्रामक डीपफेक वीडियो की पहचान करने के लिए अत्याधुनिक तकनीकी टूल्स का इस्तेमाल किया जाएगा।

अंतरराष्ट्रीय समन्वय

डार्कवेब और विदेशी धरती (जैसे म्यांमार, कंबोडिया या दुबई) से संचालित होने वाले भारतीय विरोधी साइबर सिंडिकेट पर नकेल कसने के लिए यह बोर्ड अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के साथ मिलकर काम करेगा।

कड़े दंड का प्रावधान

बोर्ड के पास सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स और टेलीकॉम कंपनियों को नियमों का उल्लंघन करने पर भारी जुर्माना लगाने और संबंधित नोडल अधिकारियों को तलब करने का सीधा अधिकार होगा।

अंत्योदय योजना के तहत अब मिलेगा प्रति सदस्य सात किलो अनाज

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने अंत्योदय अन्न योजना के नियमों में एक बदलाव किया है। नए फैसले के तहत अब इस योजना के अंतर्गत आने वाले परिवारों के हर एक सदस्य (प्रति व्यक्ति) को 07 किलोग्राम निःशुल्क अनाज दिया जाएगा। इससे पहले इस योजना में पूरे परिवार को एक राशन कार्ड पर कुल 35 किलो अनाज ही मिलता था, चाहे उस परिवार में सदस्यों की संख्या कितनी भी हो। सरकार के इस कदम से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को सीधे तौर पर फायदा पहुंचेगा।

खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार, इस फैसले का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि परिवार के बड़े होने पर किसी भी सदस्य को भोजन की कमी न हो। इस योजना के तहत मिलने वाले अनाज में गेहूं, चावल और मोटे अनाज शामिल हैं, जो पूरी तरह से मुफ्त दिए जा रहे हैं।

राशन दुकानों को दिए गए निर्देश

सरकार ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश जारी कर दिए हैं कि वे अपने यहाँ की सभी राशन दुकानों पर इस नए नियम को तुरंत प्रभावी रूप से लागू करें। राशन वितरण में किसी भी तरह की गड़बड़ी को रोकने के लिए इसे पूरी तरह से बायोमेट्रिक (अंगूठे के निशान) और आधार कार्ड से जोड़कर ही वितरित किया जाएगा।

महंगा होगा पासपोर्ट; फीस में 1000 रुपए तक की बढ़ोतरी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने पासपोर्ट नियमों में संशोधन करते हुए आवेदन शुल्क में भारी बढ़ोतरी कर दी है। नया शुल्क ढांचा आगामी 01 जुलाई से पूरे देश में लागू हो जाएगा। विदेश मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, साधारण और तत्काल दोनों श्रेणियों के पासपोर्ट की फीस बढ़ा दी गई है।

नया आवेदन या री-ईशू फीस 1,500 से बढ़कर 2,500 रुपए हो जाएगी और तत्काल सेवा के तहत नया या रीयशू पासपोर्ट बनवाने का खर्च 3,500 से बढ़कर सीधे 5,000 रुपए कर दिया गया है।

क्यों लिया गया यह फैसला?

मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार, पासपोर्ट सेवा प्रणाली को अधिक सुरक्षित, आधुनिक और तकनीकी रूप से अपग्रेड करने के लिए फीस में यह संशोधन किया गया है। हालांकि, अचानक हुई इस बढ़ोतरी से उन छात्रों और कामगारों पर अतिरिक्त आर्थिक दबाव पड़ेगा जो रोजगार या पढ़ाई के लिए विदेश जाने की तैयारी कर रहे हैं।

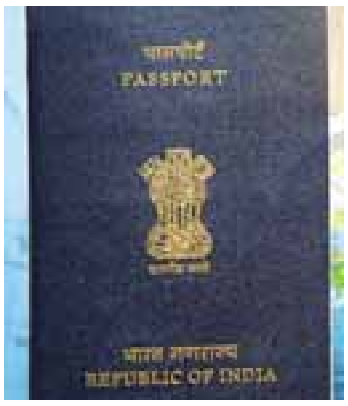

तंग गलियों और पहाड़ों में आसानी से पहुंचेगा स्मार्ट रक्षित एम्बुलेंस

नई दिल्ली। देश के ग्रामीण इलाकों, पहाड़ी क्षेत्रों और महानगरों की संकरी झुग्गी-बस्तियों में अक्सर बड़ी चार पहिया एम्बुलेंस समय पर नहीं पहुँच पाती हैं। इस गंभीर समस्या का समाधान निकालते हुए 'रक्षित' एम्बुलेंस को देश की सेवा में समर्पित करने की तैयारी कर ली गई है। यह एम्बुलेंस ट्रैफिक जाम और कठिन रास्तों को चीरते हुए मरीज तक पहुँचकर 'गोल्डन ऑवर' (हादसे के ठीक बाद का सबसे कीमती एक घंटा) में उसकी जान बचाएगी। पहाड़ों के पत्थरों और गड्ढों में मरीज को झटका न लगे, इसके लिए एम्बुलेंस में हवाई जहाजों जैसे मजबूत शॉक एब्जॉर्बर लगाए गए हैं।

संकरे रास्तों में तेजी से दौड़ेगी एम्बुलेंस: जहाँ चार पहिया गाड़ियाँ चौड़ाई कम होने के कारण फंस जाती हैं, वहाँ यह बाइक एम्बुलेंस मात्र 03 फीट चौड़ी गली से भी आसानी से निकल सकती है। यदि मरीज की हालत बहुत गंभीर है, तो यह एम्बुलेंस प्राथमिक इलाज देते हुए मरीज को नजदीकी हेलीपैड तक पहुँचाएगी, जहाँ से उसे एयर एम्बुलेंस से बड़े शहर भेजा जा सके।

वरदान साबित होगी यह एम्बुलेंस: स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बताया 'गेम चेंजर'अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के डॉक्टरों के मुताबिक, भारत में समय पर इलाज न मिलने के कारण होने वाली मौतों में इस तकनीक से 30 से 40 प्रतिशत तक की कमी आ सकती है। विशेषकर उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और उत्तर-पूर्वी राज्यों के सुदूर गांवों के लिए यह एम्बुलेंस एक वरदान साबित होगी।

शुरुआती चरण में इसे अर्धसैनिक बलों और पहाड़ी राज्यों की स्वास्थ्य इकाइयों को सौंपने की योजना है।

अयोध्या के राम मंदिर की दान राशि में हुई करोड़ों रुपये की चोरी का मामला

अटूट आस्था और विश्वास पर गहरा आघात

संकल्प शक्ति। अयोध्या के भव्य राम मंदिर में श्रद्धालुओं के चढ़ावे और दान राशि में हुई करोड़ों रुपये की चोरी का मामला केवल एक वित्तीय अपराध नहीं है, बल्कि यह देश के करोड़ों सनातन धर्मावलंबियों की अटूट आस्था और विश्वास पर गहरा आघात है।

विशेष जांच टीम की प्राथमिक रिपोर्ट के बाद पुलिस द्वारा आठ आरोपियों को गिरफ़्तार कर उनके पास से भारी मात्रा में नकदी और संपत्ति के दस्तावेज बरामद करना यह स्पष्ट दर्शाता है कि मंदिर के सबसे सुरक्षित माने जाने वाल दान गणना इकाई में लंबे समय से सेंधमारी चल रही थी।

जांच में यह सामने आया है कि तिजोरी और दान पेटियों के पास लगे कई महत्त्वपूर्ण कैमरे बंद या खराब थे, जिससे यह साफ होता है कि यह चोरी किसी बाहरी अपराधी ने नहीं, बल्कि व्यवस्था के भीतर बैठे लोगों की मिलीभगत से जारी रही और श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के वरिष्ठ पदाधिकारियों के बेहद करीबी लोगों का इस पूरे सिंडिकेट में नाम आना बेहद चिंताजनक है, जिसने पूरी प्रबंधन समिति की कार्यशैली पर प्रश्नचिन्ह खड़ा कर दिया है।

इस संवेदनशील मामले की गंभीरता को देखते हुए उत्तरप्रदेश सरकार और स्थानीय प्रशासन ने तत्परता दिखाई है, जो प्रशंसनीय है। आठ आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजा जा चुका है और उनके घरों पर छापेमारी कर संपत्तियों को खंगाला जा रहा है। अयोध्या के वकीलों द्वारा आरोपियों की पैरवी न करने का सर्वसम्मत फैसला भी इस बात का गवाह है कि समाज में इस कृत्य को लेकर कितना गहरा आक्रोश है। लेकिन, केवल कुछ कर्मचारियों की गिरफ़्तारी ही इस समस्या का अंतिम समाधान नहीं है। सरकार को इस पूरे रैकेट की जड़ तक पहुंचना होगा ताकि यह पता चल सके कि इस गबन का पैसा कहां-कहां निवेश किया गया और इसके पीछे कौन से बड़े चेहरे छिपे हैं?

राम मंदिर राष्ट्र की सांस्कृतिक और धार्मिक चेतना का केन्द्र है और ऐसी पावन स्थली से वित्तीय अनियमितताओं की खबर ने पूरे देश को विचलित कर दिया है। श्रद्धालुओं के विश्वास को बहाल करने के लिए ज़रूरी है कि इस मामले में जीरो टॉलरेंस (शून्य सहिष्णुता) की नीति अपनाते हुए दोषियों को ऐसी कठोरतम सजा दी जाए, जो भविष्य के लिए उदाहरण बन सके।

भोजन से पहले हाथ-पैर धोने से मिलते हैं बड़े लाभ, ब्रह्मपुराण में छिपा है रहस्य

सनातन धर्म में भोजन को केवल पेट भरने का साधन नहीं, बल्कि एक पवित्र यज्ञ माना गया है। यही कारण है कि हमारे शास्त्रों में भोजन करने से जुड़े कई नियम निर्धारित किए गए हैं। इन्हीं में से एक मुख्य नियम है—भोजन से पहले हाथ और पैर दोनों को अच्छी तरह धोना। आमतौर पर लोग केवल हाथ धोकर ही खाना खाने बैठ जाते हैं, लेकिन 'ब्रह्मपुराण' में स्पष्ट रूप से बताया गया है कि भोजन से ठीक पहले पैरों को धोना अनिवार्य है।

धार्मिक मान्यताओं के साथ-साथ आज का आधुनिक विज्ञान भी सदियों पुराने इस नियम के आगे नतमस्तक है। ब्रह्मपुराण के अनुसार, जो व्यक्ति अपने हाथ, पैर और मुख को अच्छी तरह साफ करके (पंचार्द्र होकर) भोजन ग्रहण करता है, उसे आरोग्य और लंबी आयु की प्राप्ति होती है। शास्त्रों के अनुसार, पैर धोने से शरीर की अशुद्धियां और नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है। गीले पैरों के साथ भोजन करने से शरीर में जठराग्नि (पाचन अग्नि) तीव्र होती है, जिससे भोजन आसानी से पचता है। वहीं, स्वच्छता के नियमों का पालन करने वाले पर माता लक्ष्मी और माँ अन्नपूर्णा की सदैव कृपा बनी रहती है।

वैज्ञानिक दृष्टिकोण: तंत्रिका तंत्रविज्ञान भी ब्रह्मपुराण के इस नियम का पूरी तरह समर्थन करता है। वैज्ञानिकों और डॉक्टरों के अनुसार, भोजन से पहले पैर धोने के पीछे गहरा शारीरिक विज्ञान छिपा है-

रक्त संचार का संतुलन: दिनभर चलने या काम करने से हमारे पैरों में गर्मी जमा होजाती है और जब हम पैरों पर पानी डालते हैं, तो शरीर का तापमान संतुलित होता है। रक्त का प्रवाह पैरों से ऊपर की ओर यानी पेट और मस्तिष्क की तरफ बढ़ने लगता है। **पाचन तंत्र का मजबूत होना:** पैर धोने से शरीर का 'कूलिंग इफेक्ट' सक्रिय होता है, जो पेट की पाचन क्रिया को उत्तेजित करता है। इससे भोजन के पोषक तत्त्व शरीर को पूरी तरह मिलते हैं।

तनाव से मुक्ति: पैर के तलवों में कई एक्यूप्रेशर पॉइंट्स और तंत्रिकाएं होती हैं। पानी के संपर्क में आते ही मस्तिष्क शांत होता है और दिनभर की थकान व तनाव दूर होता है, जिससे शांत मन से भोजन किया जा सकता है।

ब्रह्मपुराण और आयुर्वेद में यह भी कहा गया है कि भोजन हमेशा ज़मीन पर सुखासन (पालथी मारकर) करना चाहिए। खड़े होकर, डायनिंग टेबल, कुर्सी या बेड पर बैठकर भोजन करने से हमेशा बचना चाहिए।

डिब्बाबंद खाद्यपदार्थों में मिलाया जाता है रसायन, दिल की बीमारियों का ख़तरा बढ़ा

बाज़ार में मिलने वाले डिब्बाबंद खाद्यपदार्थों को लेकर हाल ही में हुए वैज्ञानिक शोधों ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। डिब्बाबंद खाद्यपदार्थों को लंबे समय तक ताजा रखने और उनका स्वाद बढ़ाने के लिए मिलाए जा रहे रसायन सीधे उपभोक्ताओं के दिल पर हमला कर रहे हैं। शोध के मुताबिक, इन पैकेट वाले खानों का इस्तेमाल दिल की बीमारियों (हार्ट अटैक और स्ट्रोक) के ख़तरे को कई गुना बढ़ा रहा है।

दिल पर कैसे होता है असर?

उक्त रसायन हमारे शरीर में जाकर एक 'धीमे जहर' की तरह काम करते हैं। ये केमिकल खून की नसों (धमनियों) में कचरा जमा कर देते हैं, इससे नसें सख्त और पतली होजाती हैं, जिससे दिल को खून पंप करने के लिए ज़्यादा ताक़त लगानी पड़ती है, जिससे ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है। आखिरकार, यह स्थिति अचानक हार्ट अटैक या दिल के फेल होने का कारण बनती है ।

पैक्ड फूड को आकर्षक और टिकाऊ बनाने के लिए मुख्य रूप से इन रसायनों का इस्तेमाल किया जाता है--

सोडियम बेंजोएट: यह सॉस और कोल्ड ड्रिंक्स में मिलाया जाता है, जो दिल की धमनियों को नुक़ सान पहुंचाता है। **मोनोसोडियम ग्लूटामेट:** नूडल्स और चिप्स का स्वाद बढ़ाने वाला यह केमिकल ब्लड प्रेशर को तेजी से बढ़ाता है।

बिस्फेनॉल-ए: डिब्बों और प्लास्टिक पैकेट की भीतरी परत में मिलने वाला यह रसायन दिल की कार्यक्षमता को कमज़ोर करता है।

ट्रांस फैट / हाइड्रोजनीकृत तेल: यह शरीर में खराब कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाता है और दिल की नसें ब्लॉक करता है।

उच्च फ्रुक्टोज कॉर्न सिरप: मीठे डिब्बाबंद खानों में इस्तेमाल होने वाला यह सिरप मोटापा और दिल की बीमारी पैदा करता है।

पोटेशियम ब्रोमेट: पैकेट वाले ब्रेड और बेकरी आइटम्स में इस्तेमाल होने वाला यह रसायन भी सेहत के लिए बेहद हानिकारक है।

जवानों से भरी एक मिनी बस पलटी, नौ घायल

जम्मू-कश्मीर। जम्मू-कश्मीर के रियासी ज़िले में माता वैष्णो देवी मार्ग पर ताराकोट के पास सीआईएसएफ जवानों से भरी एक मिनी बस अनियंत्रित होकर पलट गई, जिसमें 08 जवान और बस चालक घायल होगए हैं। यह दुर्घटना रविवार, दिनांक 28 जून को दोपहर उस समय घटित हुआ जब ड्यूटी खत्म होने के बाद जवान वापस कैंप की ओर लौट रहे थे।

प्रारम्भिक जानकारी के अनुसार, अचानक वाहन के ब्रेक फेल हो जाने की वजह से बस चालक नियंत्रण खो बैठा और गाड़ी सड़क पर फिसलकर पलट गई। घायलों में 03 जवानों की हालत गंभीर है, जिन्हें बेहतर इलाज के लिए जम्मू के नारायण अस्पताल रेफर किया गया है और शेष घायल जवानों व ड्राइवर विरेंद्र सिंह का कटड़ा के कम्युनिटी हेल्थ सेंटर में इलाज चल रहा है, जहाँ उनकी स्थिति सामान्य बताई जा रही है।

पुलिस प्रशासन ने इस मामले की जानकारी देते हुए बताया कि बस (रजिस्ट्रेशन नंबर JK08D-5992) जवानों को लेकर जा रही थी। हादसे के कारणों की बारीकी से जांच करने के लिए स्थानीय पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

स्वत्वाधिकारी त्रिशक्ति प्रोडक्ट्स प्रा. लि. के लिए सम्पादक, प्रकाशक एवं मुद्रक पूजा शुक्ला के द्वारा हितकारिणी प्रिन्टिंग प्रेस, सिविक सेंटर, ज़िला-जबलपुर (म.प्र.) से मुद्रित तथा पंचज्योति शक्तितीर्थ सिद्धाश्रम, पोस्ट-मऊ, तहसील-ब्यौहारी, ज़िला-शहडोल (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पर्क सूत्रः 9981657948, 8965942312, Email-sankalpshakti09@gmail.com, RNI NO-MPHIN/2009/31042 न्यायालयीन क्षेत्राधिकार ब्यौहारी।